**कक्षा- पाँचवीं  अधिन्यास- 8 पाठ – टपके का डर**

**नाम---------- कक्षा----------अनुक्रमांक---------- दिनांक----------**

---

**प्रश्न 1) निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**

**एक दिन पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु एक मंत्री के साथ घने जंगलों से गुज़र रहे थे | तभी उन्होंने देखा कि एक पेड़ पर बहुत सारे खूबसूरत फूल लगे हुए हैं | यह देखकर उन्होंने मंत्री महोदय से मजाक करते हुए कहा, 'आप समझदार तो हैं, लेकिन जंगल के फूल की तरह हैं |' मंत्री बुद्धिमान थे | बोले, पंडितजी जंगल का फूल बगीचे के फूल से हमेशा अच्छा होता है | वह जंगल की खुली हवा खाता है, उसे खुली धूप मिलती है | उसे कोई तोड़ता भी नहीं  है | जबकि बगीचे के फूल पर हज़ारों हाथ झपटते हैं | पंडित जी बोले पूजा हमेशा बगीचे के फूल से ही होती है | मंत्री बोले, 'क्या देवता के चरणों में चढ़ने से ही पुष्प का भाग्य सराहा जाए | वातावरण सुगंधित रखना क्या कम बड़ी बात है ? मंत्री की बात सुनकर पंडितजी बोले, 'आप ठीक कह रहे हैं |' नेहरु जी को जंगल के फूल का महत्त्व समझाने वाले यह मंत्री  कोई और नहीं लाल बहादुर शास्त्री थे | जो बाद में अपने गुणों की सुगंध चारों ओर फैलाते हुए देश के प्रधानमंत्री बने |**

1. पूर्व प्रधानमंत्री किसके साथ जंगल से गुज़र रहे थे ?

---

2. प्रधानमंत्री ने मजाक करते हुए मंत्री की तुलना किससे की ?

---

3. जंगल का फूल बगीचे के फूल से अच्छा क्यों होता है ?

---

4. नेहरु जी को फूलों का महत्त्व समझाने वाला कौन था ?

---

---

---